17 जुलाई 2012

'मृणालताई, संघर्ष का रोल मॉडेल' - राम नाईक

मुंबई, मंगलवार : ''आम आदमी के लिए जूझनेवाले सभी राजकीय तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए श्रीमती मृणाल गोरे एक 'रोल मॉडेल' थी. अलग - अलग विचारधारा पर अटूट विश्वास रखनेवाले हम दोनों; मैं और मृणालताई, किंतु हमारी कर्मभूमि एकही थी गोरेगाव. अर्थात उत्तर मुंबई ! वैसे तो राजनीति के अखाडे के हम प्रतिद्वंदी. किंतु लोकसभा चुनाव में मुझसे पराजित होने के बाद भी मृणालताई ने मन में कडवाहट नही रखी. जब मैं कैन्सर से बिमार था तब घर आकर उन्होंने हाल - चाल पूछा और कुछ वर्ष पूर्व जब उनका 81 वाँ जन्मदिन था तब याद से बुलावा भी आया था. राजनीतिक प्रतिद्वंदी से विरोध सिर्फ विचारों का हो; उससे व्यवहार सम्मान का ही करें; जिससे राजनिती की गरीमा बढ़ती है; यह अपने व्यवहार से सिद्ध करनेवाली श्रीमती मृणाल गोरे को मेरी श्रद्धांजलि'', इन शब्दों में भाजपा नेता व पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने श्रद्धांजलि अर्पित की.

(कार्यालय मंत्री)